

**स्ट्रेटनिंग / रिबोडिंग / स्मूदनिंग (Straightening /Rebonding / Smoothing)**

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप निम्नलिखित कार्य सीख पायेंगे

- स्थाई रूप से बाल को सीधा करना
- PH स्केल का ज्ञान
- विभिन्न बंधनों का ज्ञान
- बाल के निर्माण में बंधनों को योगदान।

**स्ट्रेटनिंग / रिबोडिंग / स्मूदनिंग (Straightening /Rebonding / Smoothing) की परिभाषा**

स्थायी स्ट्रेटनिंग / रिबोडिंग / स्मूदनिंग (Straightening / Rebonding / Smoothing) सैलून में दी जाने वाली एक स्थायी रासायनिक केश शीथिलीकरण सेवा है जो प्रकृतिक रूप से घुंघराले बाल की बनावट को पूरी तरह से बदलकर स्थायी रूप से सीधा करने की क्रिया है। इसका प्रयोग बाल के डाइसल्फाइड बंधनों को तोड़कर नए आकार में परिवर्तित करता है।

**बंधनों का ज्ञान (Knowledge of Bonds)****Knowledge of Bonds (बंधनों का ज्ञान):**

बंधन (Bond) बाल को कोशिका (cell) से एक ठोस रूप में परिवर्तित करती है।

**पेप्टाइड बंधन (Peptide Bond)**

एमिनो अम्लों को जोड़ने वाले रासायनिक बंधनों को पेप्टाइड बंधन या अंतिम बंध कहा जाता है। ये बंधन एक साथ जुड़कर एमिनो अम्ल (Protien) की श्रृंखला तैयार करता है जिसे पॉलीपेप्टाइड (Polypeptide) श्रृंखला कहा जाता है। यह लम्बे कुण्डलित समूह होते हैं और आपस में माला के मणको जैसे जुड़े रहते हैं किसी भी रासायनिक सेवा देने से पहले यह जाँचना आवश्यक है कि Peptide बॉंड या बंधन टूटे नहीं है अन्यथा बाल कमजोर हो जाएँगे और टूट भी सकते हैं।

**डाइसल्फाइड बंधन (Diasulphide Bond)**

दो कोशिकाएँ एमिनो अम्ल (Amino Acid) आपस में मिलकर डाइसल्फाइड बंधन का निर्माण करते हैं।

पालिपेप्टाइड श्रृंखला (Chain) के उपर स्थित एक अणु सल्फर (Atom Sulfer) दूसरी श्रृंखला उपस्थित अणु सल्फर क्रॉस सैक्शन (Cross section) बनाता है। जिसे डाइसल्फाइड बंधन कहते हैं।

इसे सल्फर बंधन से भी जाना जाता है। ये पेप्टाइड बंधन से कमजोर होते हैं।

**हाइड्रोजन बंधन (Hydrogen Bond)**

यह हाइड्रोजन तथा ऑक्सीजन अणु के साथ मिलकर बनता है।

यह क्षीण कायिक बंधन है।

यह एक श्रृंखला से दूसरी श्रृंखला के बीच भी बन सकता है।

यह बंधन पानी से आसानी से विखण्डित हो जाता है।

बाल के सूखने पर पुराने स्वरूप में लौट आता है।

इस पर किसी भी रासायनिक सेवा का प्रभाव नहीं पड़ता।

**सॉल्ट बंधन (Salt bond)**

मुख्य रूप से बाल में नमी (Moisture) बनाए रखता है।

यह हैलिक्स आकार (Helix shape) को बनाए रखने में सहायक है।

**शुगर बंधन (Sugar Bond)**

यह अंतिम बंधन है जो पोलिपेप्टाइड श्रृंखला के बीच में क्रॉस लिंक बनाता है। इसे इस्टर बंधन (Ester Bond) भी कहते हैं।

इसके वास्तविक कार्य की कोई जानकारी अभी नहीं है।

**केश के निर्माण में बंधनों का योगदान (Contribution of bonds in the construction of hair)**

जैसे कि हमें ज्ञात है कि बंधन कोशिकाओं से ठोस रूप में परिवर्तित होकर केश का रूप लेते हैं। एमिनो अम्ल आपस में पेप्टाइड बंधनों से जुड़े रहते हैं।

यह सारी क्रियाएँ रोमकूपों (Follicles) में होती हैं। ठीक इसी प्रकार क्यूटिकल (Cuticle) की परतों का निर्माण भी हो रहा होता है। यह सारी क्रियाएँ एक नर्म, स्पंजी उत्तक जिसे मैड्युला (Medulla) कहते हैं के इर्द-गिर्द होती हैं।

## ग्राहक परामर्श/सिर की त्वचा का परिक्षण (Client Consultation/Scalp analysis) :

अभ्यास 2.5.02 से सम्बन्धित सिद्धांत

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगे

- ग्राहक परामर्श एवं रिकार्ड कार्ड
- सिर की त्वचा का परिक्षण

### ग्राहक परामर्श (Client Consultation) :

ग्राहक परामर्श में ग्राहक के बाल की लंबाई, बनावट, रंग, व हालात का पूरा लेखाजोखा करने के साथ ही सेवा दी जाने वाली अपेक्षित परिणामों का निर्धारण करता है। ग्राहक का इतिहास प्रक्रिया, समय और अंतिम परिणाम की जानकारी भी रखी जाती है। रसायनिक सेवाओं के लिए रिकार्ड कार्ड रखना अनिवार्य है।

### स्ट्रेटनिंग / रिबोडिंग / स्मूथनिंग रिकॉर्ड कार्ड (Straightening /Rebonding / Smoothing Record Card )

नाम : ..... मोबाइल नं० .....

पता : .....

बाल के प्रकार :

लम्बाई	संरचना	छिद्रिलता	हालत
छोटा	खुरदरा लेकिन सामान्य	अति छिद्रिल	बहुत अच्छा
मध्यम	सामान्य	संतुलित	अच्छा
लम्बा	अच्छे से रिबोडिंग हुआ	सामान्य	सूखा/तैलीय

किस से स्ट्रेटनिंग हुआ : .....

पिछली बार किससे स्ट्रेटनिंग किया गया / सामान्य बाल : .....

स्ट्रेटनिंग लोशन का प्रकार : .....

### परिणाम

अच्छा	बुरा	कम हुआ	बहुत हल्का
दिनांक प्रयोग किया गया स्ट्रेटनिंग	केश प्रसाधक	दिनांक प्रयोग किया गया स्ट्रेटनिंग	केश प्रसाधक

### सिर की त्वचा का परिक्षण (Scalp analysis)

## सिर की त्वचा का विश्लेषण (Scalp analysis)

बाल व सिर की त्वचा का परिक्षण एक सफल रासायनिक के सेवा का महत्वपूर्ण अंग है। इसकी मदद से हम अनुमान लगा सकते हैं कि परिणाम सफल होंगे या नहीं। सिर की त्वचा का परिक्षण छः अति महत्वपूर्ण विधियों द्वारा किया जा सकता है।

1. सिर की त्वचा की स्थिति (Scalp Condition)
2. संरचना (Texture)
3. घनत्व (Density)
4. छिद्रिलता (Porosity)
5. प्रत्यस्थता या लोच (Elasticity)
6. केश की लंबाई एवं वर्धन प्रारूप (Hair Length and Growth Pattern)

1. सिर की त्वचा की स्थिति (Scalp Condition) : सिर की त्वचा पर किसी भी प्रकार के जलन, लाल चकते, व खुले हुए जखमों का अच्छे से निरीक्षण करें। खुले दातों वाली कंधी से उलझनों को सुलझाएं। ध्यान रखें कि सिर की त्वचा खुरचे नहीं। यदि किसी भी प्रकार की समस्या नहीं दिखती है तो परमिंग प्रक्रिया को प्रयोग में लाएं, अन्यथा न करें।

2. संरचना (Texture) : बाल की संरचना का परिक्षण करने के लिए केश की लट को लें और सुनिश्चित करें कि वह रूखी है। अब देखें की संरचना अच्छी है या बहुत अच्छी है। रूखे बाल में स्थाई तरंग विलयन (Perming lotion) कठिनाई से अंदर घुसता है। जबकि अच्छे बाल व सामान्य बालों में कोई परेशानी नहीं होती है।

3. घनत्व (Density) : बाल के घनत्व से हमें पता चलता है कि सिर पर कितने बाल हैं। अलग-अलग व्यक्तियों के सिर पर बाल का घनत्व अलग-अलग हो सकता है।

4. छिद्रिलता (Porosity) : बाल की छिद्रिलता उसकी नमी सोखने की क्षमता को कहते हैं। बाल की छिद्रिलता सिधे तौर पर क्यूटिकल (Cuticle) की परत के उपर निर्भर करता है। छिद्रिलता को तीन भागों में बाटा गया है।

1. प्रतिरोधी - बाल कडे होते हैं। कोई भी रसायन या तरल पदार्थ आसानी से प्रवेश नहीं कर सकता।

2. सामान्य - बाल में कोई विरोध नहीं होता।

3. छिद्रिल - बाल में आवश्यकता से अधिक मात्रा में परमिंग लोशन प्रवेश हो सकता है।

5. प्रत्यस्थता या लोच (Elasticity) : परमिंग करते समय बाल का लोच एक महत्वपूर्ण कारक है। लोच के बिना केश में कोई घुंघरालापन लाना संभव नहीं हो सकता। बाल में खिचाव पैदा करने पर टूट भी सकते हैं। लोच जितना ज्यादा होगा बाल में घुंघर (Curl) उतना अच्छा परिणाम देगा।

## 6. केश की लंबाई एवं वर्धन प्रारूप (Hair Length and Growth Pattern) :

केश की लंबाई भी एक महत्वपूर्ण कारक है। ग्राहक अपने बाल छः इंच या उससे लंबा रखता है तो वेविंग या रैपिंग (Wrapping) में कई तरह की समस्या हो सकती है। अधिक लंबे बाल भारी होने के कारण परम को अधिक देर तक टिकने नहीं देता इसलिए परमिंग करते समय बाल की लंबाई, संरचना, लोच और घनत्व का ध्यान रखना अति आवश्यक है।